अभ्यास # 1

➢ बहुविकल्पी प्रकार के प्रश्न

Q.1 मैण्डल ने किस पर कार्य किया -
(A) *पाइसम* (B) *सोलेनम*
(C) *लेथिरस* (D) *डोलिकोस*

Q.2 आनुवंशिकी के पिता है -
(A) मोर्गन (B) मैण्डल
(C) डार्विन (D) हचिन्सन

Q.3 एक युग्मक में होते है -
(A) एक जीन के दो युग्म विकल्पी
(B) एक जीन का एक युग्म विकल्पी
(C) एक जीन के सभी युग्म विकल्पी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Q.4 एकल लक्षण के साथ संकरण प्रयोग करना, कहलाता है -
(A) द्विसंकरण (B) एकल संकरण
(C) एक युग्मजी (D) विषम युग्मजी

Q.5 मैण्डल ने मटर के पादपों में कितने प्रकार के विपर्यासी लक्षणों को निर्धारित किया था -
(A) 2 (B) 5 (C) 7 (D) 9

Q.6 मानव में कौनसा एक अवशेषी अंग नहीं है ?
(A) वर्मीफॉर्म एपेन्डीक्स
(B) एपीग्लॉटिस
(C) कर्ण पल्लव की पेशीयाँ
(D) निमषेक झिल्ली

Q.7 चमगादड़ टिड्डा तथा कबूतर के पंख किसका उदाहरण है -
(A) समजात अंग (B) समवृति अंग
(C) अवशेषी अंग (D) बाह्य कंकाल

Q.8 समजात संरचना है -
(A) उत्पत्ति में असमान, कार्य में समान
(B) उत्पत्ति तथा कार्य दोनों असमान
(C) उत्पत्ति तथा कार्य दोनों समान
(D) उत्पत्ति में समान तथा कार्य में असमान

Q.9 पेलियोन्टोलोजी किसका अध्ययन है -
(A) जीवाश्म (B) आस्थि
(C) पक्षी (D) भ्रूण

Q.10 'उपयुक्ता के साथ परिवर्तन' किसकी केन्द्रीय विषयवस्तु है -
(A) सक्षिप्त विवरण (B) आनुवाशिंकी
(C) उद्विकास (D) जैव उत्पत्ति

Q.11 "प्राकृतिक वरण द्वारा जातियों की उत्पत्ति" किताब किसके द्वारा लिखी गई -
(A) ओपेरिन
(B) वेल्लेक
(C) डार्विन
(D) डार्विन तथा वेल्लेक

Q.12 अचानक होने वाले वंशागत परिवर्तन कहलाते है -
(A) पुनर्योजन (B) उत्परिवर्तन
(C) प्राकृतिक चयन (D) पृथक्करण

Q.13 विभिन्नताओं का महत्वपूर्ण स्त्रोत है -
(A) प्राकृतिक चयन (B) उत्परिवर्तन
(C) लैंगिक जनन (D) इनमें से कोई नहीं

Q.14 "उपार्जित लक्षणों की वंशागति" को किससे द्वारा प्रस्तावित किया गया -
(A) डार्विन (B) लैमार्क
(C) वेल्लेक (D) ओपेरीन

Q.15 अवशेषी अंग है -
(A) आद्य अंग
(B) प्रारम्भिक अंग
(C) अनुपयोग के कारण ह्रासित अंग
(D) केवल भ्रूणिय अवस्था में निर्धारित अंग

अभ्यास # 2

A. अतिलघुत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Q.1 वंशागत लक्षणों को परिभाषित कीजिए।

Q.2 वंशागत लक्षणों के दो उदाहरण दीजिए।

Q.3 आनुवांशिकी के पिता के रूप में किसे जाना जाता है ?

Q.4 उस पादप का नाम लिखों जिस पर मैण्डल ने अपने प्रयोग किये।

Q.5 मैण्डल के अध्ययन के कितने गुण थे ?

Q.6 कौनसा प्रभावी है - गोल या झुर्रीदार बीज आकार

Q.7 एक संकर संकरण को परिभाषित कीजिए।

Q.8 द्विसंकर संकरण को परिभाषित कीजिए।

Q.9 'उद्विकास' शब्द का साहित्यक अर्थ क्या है।

Q.10 जैव उद्विकास क्या होता है ?

Q.11 जनन के दौरान विभिन्नताओं की उत्पत्ति के दो मुख्य कारण बताइये।

Q.12 आनुवांशिक विचलन को परिभाषित कीजिए।

Q.13 उपार्जित लक्षण क्या होते है ?

B. लघुत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Q.14 समजात तथा समवृति अंगों के मध्य अंतर बताइये।

Q.15 जीवाश्म निर्माण की प्रक्रिया को समझाइये।

Q.16 वंशागत लक्षण क्या है ? तीन उदाहरण दीजिए।

Q.17 कोई भी तीन विपर्यासी लक्षणों को बताइये जिस पर मेण्डल ने प्रयोग किये।

Q.18 अपने प्रयोग के दौरान मेण्डल द्वारा अपनाये गये प्रक्रम को संक्षिप्त में समझाइये।

Q.19 मानव प्राणी में बच्चों का लिंग निर्धारण कैसे करते है ?

Q.20 लक्षण किस प्रकार अभिव्यक्त होते है, समझाइये ?

Q.21 दो उदाहरणों के द्वारा समझाइये कि उपार्जित लक्षणों की वंशागति नहीं होती है।

C. निबंधात्मक प्रकार के प्रश्न

Q.22 प्राकृतिक चयन की भूमिका तथा जाति उद्भव में आनुवंशिक विचलन को समझाइये।

Q.23 उद्विकासीय सबंधों की पारदर्शीता के लिए एक प्रमाण देते हुऐ, जीवाश्म पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Q.24 मेण्डल द्वारा किये गये द्विसंकर संकरण की समझाइये।

Q.25 मेण्डल द्वारा मटर के पादप पर उसके प्रयोगों के पश्चात् प्राप्त उपलब्धियों को समझाइये।

Q.26 लिंग गुणसूत्र क्या होते है ? मानव प्राणी में लिंग निर्धारण की प्रक्रिया को समझाइये।